

જામ સદાશી
450
ASIA ARCHIVES

वा त सा वे जा रा य न नृ य के हारे न मान ते
सा श्रु का ह ह समा न कह ह स मा नी ख सा तो वा त स
क व दि नि पुर त मा न कि सा ता त्व वर न द्र य नृ वाला भग
प धु रा जा य क स ले जे मा रो को रु की य रि ता व अ जिं कि के
त व वा वर बि धो वि तो ला श्रु न न स वि सा तो वा त स र वे ना रां

का हं द्र नि के हो य जे को यि व य स नृ वि धं उ त नृ द
स आ सा प्रा नृ मा रि द र स को क र त रा ग नृ रि सा तो वा त स
र वे ना रा नृ य के हारे

महा मालवः हर गिरी जायती कुंज कुंज मसीतसी लवहनेनी
लमलगगाय ॥ रजनीलमलवर मजुरी विनुषीत देवीक
रिन्नरबंग ॥ १ ॥ विद्वि क मलायती देवयाधो सरं नवरन
कमलवस गति य म गत करं पत ह देवनी रज
ननुवकहित नही जाये ॥ २ ॥ नमकरुना मा दि वि त्वल

महा मालवः हर गिरी जायती कुंज कुंज मसीतसी लवहनेनी

क ग गली मु नि जन क र गु न ग मा ने य ॥ इ ल ग सी व हं
वर वारि व ती वर पु जा स्म क क न ही जा ने ॥ अ न व वृ व भा स
न न न प नं य मु ष न प ति त्र से न्ना गु न न्ना ने य प्र न र च रा नी प ती
र न य क ग ती इ त्व क र ह न व ध्वा न्ये ॥ ५ ॥ न नं य न य न य ह
र स व तु क सु ष क र वि वि व्व वि वृ व्व व र तो हे ॥ वा घं द्या ला

राम मरुतु सु रकर मम सो धीनी नुव सहे सकल लोक
गती नु नुवा ज वी पती दे सं यु मुगुनी फर दाने नुषन फनी
पती स्व प्ररनी सिप सुत्र गुन पती त सुजाने विनुषी त र
अंग सि ल वहे ग गाव चर कोष्ट पारं म पावती
स यारगे दा किनी स ह स गे ^क हेर मुनी जन अ गे न गतक

इत्थर ल्व हाते म ते सो र वृ षं भा व स न नृ व द्वा ते र वि कुल
म ल क र नृ प ती इ मा ने वि स्वर ह मु नी ज न न जे रा ग के ली
ग न प ती यः मा ने गं ने न जी रो व र ह ने जे स सुर मु नी ज न न जे
लो हे र व ह ते जे ^ग मु मु ष यः नृ र म प ष्वे न म र सु स्वर ह ते जे
ग ज्ञा न न नृ नृ व न दे हो मो रा क ह ते जे य क द न यः न
कु स पा स्य ज प मा ला क ह ते जे वि ष्वी नि तर न पा से नृ व
स्व वृ व द न जे नृ प ज ह ग जो ती क ह य हि स नृ मा ता ने जे

राग को लावगा वे । य हि जती मा नो जे म ते सन दन तो हे
गने स ५ रं करे रा मो हि भाव करे स म सन दन तो हे गने स ॥
तो हर वरं न के न हि सेवा से वि यरे के न हि देव करे म
महे नन ५ न तो हे गने स तो हर वरु व क हि न जो नो
न सर रे नी सग न न तया म हे न द तो हे गने स नृ प ज

गगोती यह न गावे आदि यरे रा दि य तो हर या वे महे
स न द न तो हे गने स रागनाला य कृमी कृत ज दे षी
सरवज सरु पे मो ल मा ल नी र प न ब्र ह्मा य क र वे
मा या जाल फ र्ने दे षि कि द्य व न सु मे क ति ते ज
त न के न के न न ति वु मे जौ ग ल स ज नौ ल न य न नौ जे
पा वे पर सु ष स मु द र ह रि र य रा जे नृ प ज नौ ती क

सुख हि अनुमाने नाथ राज जावे चर तार प रि माने

सकृद्वित देह य^{हा} र येन पावे न या न ते जावे नु ज गत अ प्रुधा

सं यत्न रिय धिरी य हान की जोग वृ च च साथी क पा प क भोग

वृ गरी त द सन व क्षीर जे र कानु आन कह यरी यो गा

व य आन अप नु क ज न ज त कर पे रि मा की दिन दीन

वा हा चर तु द य डु धा स नृ प न ग जो ली कह कि हो न जा की

५ ०० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

ज व लु वे त त है री प द दे ह आ ली

रा ग व धारीः स सा

र ज र ष र ह जो क र स मा ने ॥ प द जि व धी वा गे क र य क वो ले ॥
सि ती रे सि थी रे मु ष न हि वो ले ॥ ज व स ल ता के या दे क र य क
को ले ॥ य मो न य रि त दे वि जी को मो लु का वे ॥ के मो
ने था कि व न्धा है मा हा पा वे ॥ ३ ॥ नृ प ज ग जो ती क ह रि प र सा रे ॥
रा ग व धारी गा वे या दे क र य क वो ले ॥ ४ ॥ म म ता हा म ह वा रि
स ॥ दे तु ते क त तो वि वा ^ल आ रे रे म न ला य ॥ ५ ॥ ज ग गुरु ग म अ व

११

ध्याने य ॥ अहं सिवर मने पाय आरे रे मन लाये आरे ॥
लाहि देउ चर रिय पारी य ॥ वृष मज लखी मसा ल आरे रे म
न लाय ॥ ३ ॥ नृप नग जो ती य हो गावे य ॥ अब तु ते जव जत भाव
आरे रे मन लाय ॥ ४ ॥ ॥ मिहे यः ॥ जे वि देशी कुमारी रो ते ॥

॥ रगे आरोडु जानी दिन घल रे य हो मालीनी ॥ १ ॥ अस्तगत यः ॥
जे है रो दि वा क रो रु ते ॥ ॥ अजी वा स दे हो तो जीव रु रे य हो माली
॥ १ ॥ ॥ काल हव व न सु ल व ने रो रु ते ॥ ॥ काल य क ल ष त जीव

रे य हो माहिनी ॥ १ ॥ न दिव न ही जनन अन देवा ॥ म हें क
 र जाय तो हे य कर से वा ॥ १ ॥ तो रा करु ना ते मो रा सर व पे री पु
 रे ॥ ॥ नि य प द स्व रु ज नु कर दुरे ॥ १ ॥ नि ते नी ते म न स म द नु व
 पा से ॥ ॥ जे ह म रा य ज नु कर दुरे ॥ १ ॥ ज ग त प्र का स म ने नु प्र ती भा
 से पु नः ^व ल वा य हा म रा म न आ से ॥ १ ॥ रा ग त्रै ल जे स कर आ हा
 दि न ते स ले सा हा न द स ह जे स रु रु पे य ॥ ॥ तु नु व न ना थ की
 वि क त न त त ना य क नु ब न फे नी ग न नु पे य स दा सि व

अमीयः जेनीरं वतु वमय सुधा कल जो हे जी उ ल ल मु
प्रमारे य ॥ कह कह से ते दि सु सी सु सब गन व प ल हे नी
य भाले य स पा सिव ॥ १ ॥ स स ल य ॥ जे सा प द सा दि मु धा व
ल गा व ल वि स ल गी री ते य ग उ री हि ने य स पा सी व
स ह जे स व हि सी त नृ प ती जी ता ते मृ त सर प द सा न नी भा
वे हि ने य स पा सिव
ना दि वा क ल स मु ची त इ ल स
ग य स पा सिव ॥ २ ॥ काली के वल वाल कु मारी ॥ नृ व य

दश्रतवे मो देवाली ॥ सकति सुराकर विदुसाजे ॥ र कत नय
न सुवि ~~रा~~ र जै (वांली ॥ १॥ सी की हि आसन कर तो हे ॥ वं प्र सेष
लसित पावे ग्याली के ॥ १॥ जगत प्रका सर गावे ॥ बल न दु ये की
कहे मो है वांली ॥ ३॥ श्री कृष्ण जो पीद गो कृ आ ई ॥ न द
पिता मै ज सा या मा इ बल व द्र सव १ दर भा इ ॥ वहिनी सु मंदा
मा हा अ ती लक्ष्मी हरी ज आ फु वो ला इ श्री कृष्ण ॥ १॥ आफत बाल ब
वा पीत वा कृ अ ने ग क ला दे ओ मा इ ॥ द वि द ल ने को उ दो व जा
ने म धु व न ब ल त जा इ श्री कृष्ण ॥ २॥ मा ध व सि व जी श्री

त ग गोरिः जय जय न शक्ति दल पोल तू स काति
 वि यात्रि ता वर दान ॥ निवृ कसि सुर पति इता उ न दृग
 पति म नु व सु न र आ दि बाल जय ॥ १॥ अ सुर या अ
 धि पति स्मा स दु वि क्र म ति ॥ दे व ता न क रु ना द या व ॥ सिं
 सि घ या र ठ स दा से लो जो द को ता त जो मे र स न वि न्ना
 यि व स दान जय ॥ २॥ अ ति नि उं लुं तो ला^न नि उं लुं न द य

का व ॥ सो ह्या दे वि द थ स त्वा न मा हा र दि मि पि
र ति न भा व या त न ग ति न प्र जा व त्मा वि णि थे न न

व न य ॥ ३ ॥ र क जि त न प ति न प्र जा प व सा ह ति न
सु वे ला स तु ल न पु ता ॥ नै र वि मा तु का ग न ग न प ति ग
रु ध न ना जि नि द र्ते न क य का व न य न य न ग व ति द
ल पा ल तु स को ति ॥ ४ ॥ तु ल या शु ने का थो द

Handwritten text in red ink, possibly a title or description, located in the center of the cover. The text is partially obscured by a vertical crease and is difficult to decipher.

SHAW-WALKER
450
ASIA ARCHIVES

॥ १॥ न ह न क र क र र ॥

॥ २॥ न न न न न न न न ॥

॥ ३॥ न न न न न न न न ॥

॥ ४॥ न न न न न न न न ॥

॥ ५॥ न न न न न न न न ॥

॥ ६॥ न न न न न न न न ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं विना न विद्यते ॥ २ ॥
सर्वभूतहितं विना न विद्यते ॥ ३ ॥
सर्वभूतहितं विना न विद्यते ॥ ४ ॥
सर्वभूतहितं विना न विद्यते ॥ ५ ॥
सर्वभूतहितं विना न विद्यते ॥ ६ ॥
सर्वभूतहितं विना न विद्यते ॥ ७ ॥
सर्वभूतहितं विना न विद्यते ॥ ८ ॥
सर्वभूतहितं विना न विद्यते ॥ ९ ॥
सर्वभूतहितं विना न विद्यते ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

कृष्णाय नमः ॥ २ ॥

सर्वभूतहितं कुरु ॥ ३ ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥

कृष्णाय नमः ॥ ५ ॥

सर्वभूतहितं कुरु ॥ ६ ॥

बदनागरीरिजोपीन

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कुरु मे प्रसादं ॥
 सर्वपापहर्त्रे ॥
 नमस्तस्मै ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥ वसुदेवाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ विष्णुभ्यो नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ कुरुक्षेत्रे नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ श्री गुरुभ्यो नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

सर्वभूतहितं विना न विद्यते ॥ २ ॥

सर्वभूतहितं विना न विद्यते ॥ ३ ॥

सर्वभूतहितं विना न विद्यते ॥ ४ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥१॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥२॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥३॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥४॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥५॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
सर्वभूतहितं कुरु ॥ २ ॥
सर्वदुःखहर्त्रा ॥ ३ ॥
सर्वपापहर्त्रा ॥ ४ ॥
सर्वकलहहर्त्रा ॥ ५ ॥
सर्ववैद्य ॥ ६ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥



